

प्रारंभिक परीक्षा

मोटुओ जलविद्युत परियोजना (Motuo Hydropower Project)

संदर्भ

चीनी अधिकारियों ने मोटुओ जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

परियोजना के बारे में -

- **नदी:** यारलुंग त्सांगपो नदी।
 - यारलुंग त्सांगपो अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी बन जाती है और असम में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है।
- **तथ्य:** पूरा होने के बाद यह श्री गॉर्जेस बांध को पीछे छोड़कर **विश्व का सबसे बड़ा बांध बन जाएगा।**
- **भारत पर संभावित प्रभाव:**
 - यह बांध चीन को जल नियंत्रण प्रदान करता है, जिससे संघर्ष के दौरान या बलपूर्वक कूटनीति के रूप में जल का मार्ग बदलने (भारत में प्रवाह कम होने) या अचानक पानी छोड़े जाने (जिसे "जल बम" कहा जाता है) की आशंका बढ़ जाती है।

स्रोत: [बीबीसी](#)



BioEMU एआई

संदर्भ

BioEMU नामक एक नया गहन शिक्षण मॉडल प्राकृतिक जैविक स्थितियों के तहत प्रोटीन द्वारा अपनाए जाने वाले आकार की पूरी श्रृंखला का सटीक अनुमान लगा सकता है।

BioEMU: प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी में एक नई सफलता -

- **BioEMU क्या है?**
 - **BioEMU का अर्थ है बायोमॉलिक्यूलर एम्यूलेटर, जो प्रोटीन के लिए एक जनरेटिव डीप लर्निंग मॉडल है।**
 - यह जैविक स्थितियों के तहत प्रोटीन द्वारा अपनाए जा सकने वाले आकार की पूरी श्रृंखला की भविष्यवाणी करता है।
 - माइक्रोसॉफ्ट, राइस यूनिवर्सिटी (यूएसए) और फ्री यूनिवर्सिटी (जर्मनी) द्वारा विकसित।
- **प्रमुख विशेषताएँ**
 - केवल एक GPU का उपयोग करके प्रति घंटे हजारों प्रोटीन संरचना नमूने उत्पन्न करता है।
 - यह प्रोटीन के एमिनो एसिड अनुक्रम से उसके संतुलन वितरण का नमूना लेने के लिए कार्य करता है।
 - बड़े पैमाने पर प्रोटीन लचीलेपन के उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडलिंग को सक्षम बनाता है।
- **यह काम किस प्रकार करता है**
 - पारंपरिक आणविक गतिशीलता (एमडी) सिमुलेशन की तुलना में तेज़ और सस्ता।
 - बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों, स्थानीय अनफोल्डिंग और क्रिप्टिक पॉकेट्स को कैच करता है - जो ड्रग डॉकिंग साइट्स (जैसे, रास प्रोटीन में) को समझने की कुंजी है।
- **सटीक भविष्यवाणी करता है:**
 - 83% बड़े आकार परिवर्तन
 - 70-81% छोटे आकार के परिवर्तन, जिनमें खुले और बंद दोनों प्रकार के एंजाइम रूप (जैसे एडेनिलेट काइनेज) शामिल हैं।
- अव्यवस्थित प्रोटीन (जिनमें निश्चित 3D संरचना का अभाव होता है) को संभाल सकते हैं और यह आकलन कर सकते हैं कि उत्परिवर्तन स्थिरता को कैसे प्रभावित करते हैं।
- प्रोटीन के सभी स्थिर आकार कुछ ही मिनटों से लेकर कुछ घंटों में उत्पन्न किए जा सकते हैं।
- **सीमाएँ**
 - **मॉडल नहीं बना सकते:**
 - कोशिका झिल्लियाँ
 - दवा के अणु
 - तापमान या pH में परिवर्तन
 - अल्फाफोल्ड जैसी भविष्यवाणी की विश्वसनीयता
 - प्रोटीन मोनोमर्स पर केंद्रित, जटिल जैविक वातावरण पर नहीं।

स्रोत: [द हिंदू](#)

मेरी पंचायत ऐप

संदर्भ

मोबाइल ऐप "मेरी पंचायत" ने **WSIS** पुरस्कार 2025 चैंपियन पुरस्कार जीतकर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है, जो कि विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन (**WSIS**) पहल के तहत एक प्रतिष्ठित वैश्विक मान्यता है।

मेरी पंचायत ऐप के बारे में - **WSIS** पुरस्कार 2025 चैंपियन -

- **उद्देश्य:** ग्रामीण भारत के लिए डिज़ाइन किया गया एक एकीकृत डिजिटल शासन प्लेटफ़ॉर्म, जो नागरिकों, अधिकारियों और पंचायती राज प्रणाली के हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।
- **कार्यक्षमता:** पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए कई सरकारी सेवाओं और पोर्टलों को एक सहज वेब और मोबाइल इंटरफ़ेस में एकीकृत करता है।
- **लॉन्च किया गया:** पंचायती राज मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) की संयुक्त पहल।



प्रमुख विशेषताएँ -

- पंचायत बजट, प्राप्ति, भुगतान और विकास योजनाओं पर वास्तविक समय डेटा तक पहुंच।
- निर्वाचित प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिक सेवाओं पर जानकारी।
- ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (जीपीडीपी) देखना और परियोजना प्रस्तावों पर नज़र रखना।
- ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय मौसम पूर्वानुमान प्राप्त करना।
- जियो-टैगिंग और जियो-फेंसिंग का उपयोग करके सामाजिक ऑडिट, फंड उपयोग ट्रैकिंग और शिकायत निवारण के लिए उपकरण।
- **बहुभाषी समर्थन:** अधिक समावेशिता के लिए 12 से अधिक भारतीय भाषाओं में पहुंच प्रदान करता है।
- **नागरिकों को निम्नलिखित के लिए सशक्त बनाता है:**
 - परियोजनाओं का प्रस्ताव करना,
 - पूर्ण हो चुके कार्यों का मूल्यांकन करना,
 - ग्राम सभा के एजेंडा और प्रस्तावों तक पहुँच बनाना—सहभागी लोकतंत्र को बढ़ावा देना।

WSIS पुरस्कारों के बारे में -

- यह पुरस्कार उन वैश्विक पहलों को मान्यता देता है जो सतत विकास के लिए आईसीटी का लाभ उठाती हैं।
- विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन (**WSIS**) के तहत दुनिया भर में प्रभावशाली डिजिटल समाधानों का मूल्यांकन और पुरस्कार देने के लिए स्थापित किया गया है।

स्रोत: [पीआईबी](https://www.pib.gov.in)

जनजातीय छात्रों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (NESTS)

संदर्भ

NESTS ने 2025-26 से एकलव्य स्कूलों में आदिवासी छात्रों को जेईई/एनईईटी कोचिंग प्रदान करने के लिए अवंती फेलो के साथ 5-वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

NESTS के बारे में -

- यह एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) के प्रबंधन और देखरेख के लिए भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत 2019 में स्थापित एक स्वायत्त सोसायटी है।
- इसका लक्ष्य एकीकृत आवासीय मॉडल के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में आदिवासी बच्चों को उच्च प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
- 722 स्वीकृत EMRS का पर्यवेक्षण करता है, जिनमें से 480 क्रियाशील हैं तथा 180,000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।
- उद्देश्य एवं मिशन:
 - जनजातीय छात्रों को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक पहुंच के लिए सशक्त बनाना।
 - जनजातीय और गैर-जनजातीय समुदायों के बीच सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटना।
 - निःशुल्क, समग्र आवासीय शिक्षा (शैक्षणिक, खेल, कला, जीवन कौशल) प्रदान करना।
 - नवोदय विद्यालयों के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
 - प्रभावी कार्यान्वयन और निधि प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय सोसायटी (एसईएसटीएस) की स्थापना करना।
- महत्वपूर्ण कार्य:
 - EMRS पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचे और शिक्षक भर्ती के लिए मानक निर्धारित करता है।
 - बुनियादी ढांचे, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों की देखरेख करना।
 - प्रशिक्षण कार्यशालाएं और क्षमता निर्माण का आयोजन करता है।
 - उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियों को मान्यता दी जाती है।



एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (EMRS) के बारे में -

- जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जनजाति के छात्रों (कक्षा 6-12) के लिए एक प्रमुख योजना।
- 1998 में शुरू हुई, व्यापक पहुँच और बेहतर गुणवत्ता के लिए 2018-19 में इसका नवीनीकरण किया गया।
- जनजातीय ब्लॉकों (50% अनुसूचित जनजाति जनसंख्या और 20,000 अनुसूचित जनजाति व्यक्ति) में स्थापित किए जाएंगे।
- **लक्ष्य:** 2026 तक 728 विद्यालय।
- मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, नेस्ट्स द्वारा प्रबंधित।
- सीबीएसई पाठ्यक्रम, निःशुल्क शिक्षा, आवासीय और सह-शिक्षा विद्यालय।
- इसमें स्थानीय कला, संस्कृति, खेल और कौशल विकास प्रशिक्षण शामिल है।
- **पूर्ण अवसंरचना:** कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ, छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, खेल का मैदान।
- **क्षमता:** प्रति विद्यालय 480 छात्र, लिंग अनुपात 50:50।
- गैर-अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 10% सीटें; अनुसूचित जनजाति के उपलब्धि प्राप्त करने वालों के लिए 20% खेल कोटा।

स्रोत: [पीआईबी](#)

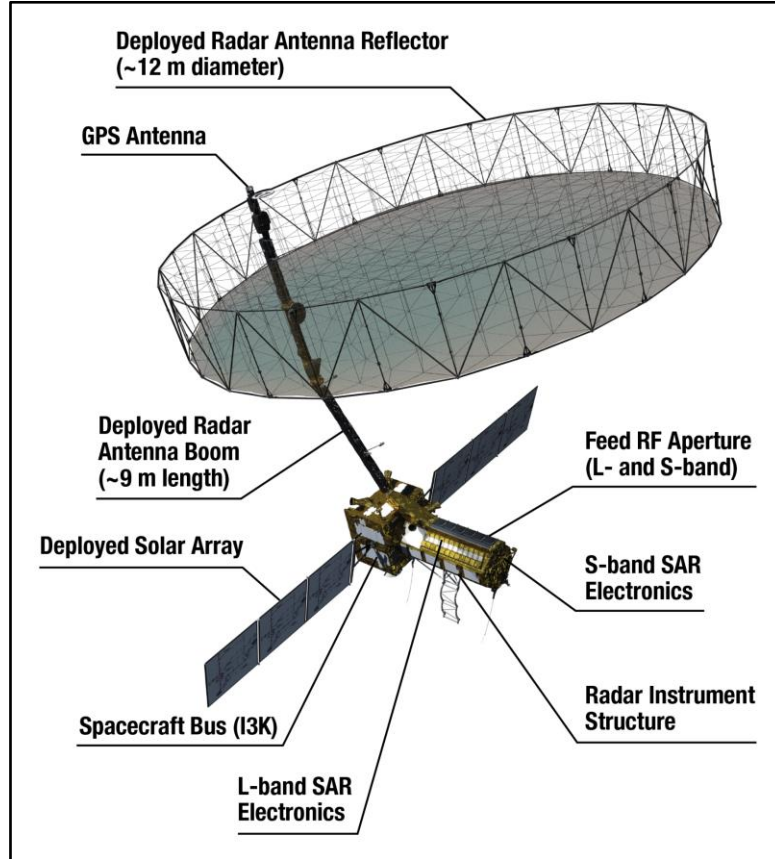


NISAR उपग्रह

संदर्भ

NISAR उपग्रह को 30 जुलाई को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (श्रीहरिकोटा) से प्रक्षेपित किया जाएगा।

नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) -



- **विकास:** यह नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) के अवलोकन के लिए विकसित एक उपग्रह है।
- **आकार और वजन:** यह एक एसयूवी आकार का उपग्रह है, जिसका वजन लगभग 2,800 किलोग्राम है।
- **उद्देश्य:** टेक्टोनिक हलचलों, जल निकायों, जल तनाव, वनस्पति आवरण, हिम आवरण आदि पर नज़र रखना।
 - **पृथ्वी सतह निगरानी:** पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों पर नज़र रखता है।
 - **ज्वालामुखी विस्फोट:** आसन्न ज्वालामुखी विस्फोट के चेतावनी संकेत।
 - **भूजल निगरानी:** भूजल आपूर्ति की निगरानी में मदद करता है।
 - **आइस शीट ट्रेकिंग:** बर्फ शीट पिघलने की दर को ट्रैक करता है।
- **अवधि:** 3 वर्ष
- **कार्य:** 14-15 दिनों में पृथ्वी को पूरी तरह से ढक सकता है।
 - **इमेजिंग आवृत्ति:** हर 12 दिनों में पृथ्वी की भूमि, हिम आवरण और समुद्री बर्फ की इमेज को कैप्चर करता है।
 - **सतही हलचल का पता लगाना:** किसी क्षेत्र में पृथ्वी की सतह की 0.4 इंच जितनी छोटी हलचल का पता लगाना।
- **विशेषताएँ:**
 - **दोहरी आवृत्ति:** L-बैंड और S-बैंड रडार से सुसज्जित।

- **नासा का योगदान:** L-बैंड रडार, जीपीएस, सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर और पेलोड डेटा सबसिस्टम।
- **इसरो का योगदान:** S-बैंड रडार, जीएसएलवी प्रक्षेपण प्रणाली और अंतरिक्ष यान।
- **एंटीना रिफ्लेक्टर:** इसमें 39 फुट का एक बड़ा स्थिर एंटीना रिफ्लेक्टर लगा है, जो उपकरण संरचना पर ऊपर की ओर स्थित फीड द्वारा उत्सर्जित और प्राप्त रडार संकेतों को केंद्रित करता है।

इसरो के अन्य मिशन -

चंद्रयान-4:

- संकल्पनात्मक चरण में, इसका उद्देश्य चंद्रमा से नमूने वापस लाना है।
- यह मिशन 2040 तक मानवयुक्त चन्द्रमा लैंडिंग की ओर ले जाने वाले मिशनों की श्रृंखला का एक हिस्सा है।
- नमूना संग्रहण और वापसी के लिए एक नए रॉकेट और नवीन तरीकों की आवश्यकता है।

स्पैडेक्स (अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग):

- इसमें दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करना शामिल है।
- उपग्रहों का निर्माण हो चुका है और उनका परीक्षण चल रहा है।
- वर्ष के अंत तक प्रक्षेपण का लक्ष्य रखा गया है।
- इसरो द्वारा अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण की पूर्वसंध्या।

गगनयान मिशन:

- चालक दल मॉड्यूल के हेलीकॉप्टर एयरड्रॉप परीक्षण जारी हैं।
- मानवरहित मिशन (जी-1) की तैयारी और परीक्षण निरस्त करना।
- चार अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण के लिए अमेरिका भेजा जाएगा।
- एक अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेगा।

शुक्रयान मिशन:

- इसका उद्देश्य शुक्र ग्रह पर एक जांच यान भेजना है।
- डिजाइन और विन्यास पूर्ण हो चुके हैं।
- सरकारी मंजूरी का इंतजार है।

उपग्रहों के लिए नए अनुप्रयोग क्षेत्र -

- **भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन:** 2028 तक प्रथम मॉड्यूल प्रक्षेपण के साथ नियोजित अंतरिक्ष स्टेशन।
- **नई पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी):** सूर्या नाम, विकासाधीन।
- **क्वांटम कुंजी वितरण उपग्रह:** सुरक्षित संचार के उद्देश्य से।
- **सॉफ्टवेयर-परिभाषित रेडियो उपग्रह:** विकासाधीन एक संचार उपग्रह।
- **विमान निगरानी नक्षत्र (ADS):** भारतीय वायुक्षेत्र में सभी विमानों की निगरानी करने तथा हवाई यातायात के प्रबंधन में हवाईअड्डा प्राधिकारियों की सहायता करने के लिए एक उपग्रह नक्षत्र।

स्रोत: [द हिंदू](#)

मतदान के अधिकार की कानूनी स्थिति क्या है?

संदर्भ

सर्वोच्च न्यायालय वर्तमान में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(SIR) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। इस बहस का एक प्रमुख मुद्दा 'मतदान के अधिकार' की कानूनी स्थिति है।

भारत में विभिन्न प्रकार के अधिकार		
अधिकार का प्रकार	परिभाषा	उदाहरण
प्राकृतिक अधिकार	अंतर्निहित एवं अविभाज्य अधिकार, जो मानव स्वभाव एवं तर्क से प्राप्त होते हैं।	जीवन, स्वतंत्रता और निजता का अधिकार। संहिताबद्ध किए जाने तक न्यायालयों में सीधे लागू नहीं किया जा सकता।
मौलिक अधिकार	संविधान के भाग-III के तहत गारंटीकृत और अनुच्छेद-32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय।	समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14), अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19), जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21), आदि।
संवैधानिक अधिकार	संविधान में अन्यत्र प्रदत्त अधिकार (भाग III के बाहर)।	मतदान का अधिकार (अनुच्छेद 326), संपत्ति का अधिकार (अनुच्छेद 300A), व्यापार की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 301)
वैधानिक (कानूनी) अधिकार	संसद या राज्य विधानमंडलों द्वारा पारित साधारण कानूनों द्वारा प्रदत्त अधिकार।	आरटीई अधिनियम के तहत शिक्षा का अधिकार, एनएफएसए के तहत भोजन का अधिकार, मनरेगा रोजगार का अधिकार

मतदान का अधिकार -

- मतदान का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है बल्कि एक वैधानिक अधिकार है।
- इसका उल्लेख भारत के संविधान में अनुच्छेद 326 के अंतर्गत किया गया है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1988 ने भारत में मतदान की आयु (21 से 18 वर्ष) कम कर दी।
- मतदान का अधिकार पूर्णतः नहीं है - यह नागरिकता, आयु, निवास और कानूनी अयोग्यता के अधीन है।
 - जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950:
 - धारा 62: केवल मतदाता सूची में सूचीबद्ध व्यक्ति ही मतदान कर सकते हैं।
 - जेल में बंद या कानून द्वारा अयोग्य घोषित लोगों को मतदान हेतु अयोग्य घोषित करता है
 - धारा 16: गैर-नागरिक मतदान नहीं कर सकते।
 - धारा 19: 18 वर्ष से अधिक आयु का होना चाहिए तथा निर्वाचन क्षेत्र का सामान्यतः निवासी होना चाहिए।

न्यायिक व्याख्या: क्या मतदान का अधिकार मौलिक, संवैधानिक या वैधानिक अधिकार है?		
केस का नाम	वर्ष	अदालत का फैसला
एनपी पोन्नूस्वामी बनाम रिटर्निंग ऑफिसर	1952	वैधानिक अधिकार - मतदान का निर्माण और विनियमन कानून (आरपी अधिनियम) द्वारा किया जाता है।
ज्योति बसु बनाम देबी घोषाल	1982	पुनः पुष्टिकृत मतदान न तो मौलिक अधिकार है और न ही सामान्य कानूनी अधिकार है, यह केवल वैधानिक है।
पीयूसीएल बनाम भारत संघ	2003	न्यायमूर्ति पी.वी. रेड्डी ने कहा कि मतदान एक संवैधानिक अधिकार हो सकता है, यद्यपि मौलिक नहीं।
कुलदीप नैयर बनाम भारत संघ	2006	संविधान पीठ ने पुनः पुष्टि की कि मतदान का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है।
राजबाला बनाम हरियाणा राज्य	2015	पीयूसीएल के फैसले के आधार पर डिवाजन बेंच ने माना कि मतदान एक संवैधानिक अधिकार है।
अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ	2023	बहुमत की राय ने कुलदीप नैयर की इस बात की पुष्टि की: वोट देने का अधिकार केवल एक वैधानिक अधिकार है।
न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी (अनूप बरनवाल मामले में असहमति)	2023	तर्क दिया गया कि वोट देने का अधिकार पसंद की स्वतंत्रता (अनुच्छेद-19(1)(a)) को व्यक्त करता है, जो लोकतंत्र का अभिन्न अंग है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

समाचार संक्षेप में

टाइफून विफा(Typhoon Wipha)

समाचार? उष्णकटिबंधीय चक्रवात विफा ने उत्तरी वियतनाम में दस्तक दी।

- वियतनाम, चीन (विशेषकर हैनान और गुआंगडोंग) और फिलीपींस पर इसका प्रभाव पड़ा।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात के बारे में -

- उष्णकटिबंधीय चक्रवात एक तीव्र गति से घूमने वाली तूफानी प्रणाली है, जो गर्म उष्णकटिबंधीय महासागरों के ऊपर बनती है। इसकी विशेषताएं हैं: निम्न दबाव का केंद्र (जिसे "नेत्र" कहा जाता है), तेज़ घूमती हवाएं, भारी वर्षा और गरज-चमक के साथ तूफान।
- गठन के लिए शर्त: कम से कम 26–27°C (79–81°F) का गर्म महासागरीय तापमान
 - वातावरण में उच्च नमी सामग्री
 - कम से मध्यम पवन कतरनी
 - कोरिओलिस बल (पृथ्वी के घूर्णन के कारण) का प्रयोग किया जाता है।
- क्षेत्रीय नाम:
 - विली-विली (ऑस्ट्रेलिया)
 - हरिकेन (उत्तरी अटलांटिक)
 - टाइफून (पश्चिमी उत्तर प्रशांत)

स्रोत: [एनडीटीवी](#)

SASCI योजना

समाचार? पर्यटन मंत्रालय ने 'पूँजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' (SASCI) योजना के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं।

SASCI योजना के बारे में -

- लॉन्च: 2020-21, पर्यटन घटक 2024-25 में लॉन्च किया गया।
- प्रमुख विशेषताएँ:
 - सहायता का स्वरूप → राज्यों को ब्याज मुक्त ऋण
 - ऋण अवधि → 50 वर्ष परियोजना
 - प्रकार: → पूँजीगत अवसंरचना (जैसे सड़कें, पर्यटन केंद्र, रसद, हरित ऊर्जा)।

स्रोत: [पीआईबी](#)

समाचार में स्थान

कमचटका प्रायद्वीप



समाचार? कमचटका प्रायद्वीप में शक्तिशाली भूकंपों की एक श्रृंखला आई।

- **स्थान:** रूस का पूर्वी भाग।
 - ओखोटस्क सागर (पश्चिम) और प्रशांत महासागर एवं बेरिंग सागर (पूर्व) के बीच।

स्रोत: [न्यूज़ऑनएयर](#)

संपादकीय सारांश

बौद्धिक स्वतंत्रता

संदर्भ

भारत और अमेरिका सहित सभी लोकतांत्रिक देशों में बढ़ती सेंसरशिप, पाठ्यक्रम नियंत्रण और असहमति के दमन से बौद्धिक स्वतंत्रता को खतरा है।

केवल सरकार के समर्थकों के लिए, केवल एक पार्टी के समर्थकों के लिए स्वतंत्रता - चाहे वे कितने भी हों - कोई भी स्वतंत्रता नहीं है। स्वतंत्रता हमेशा और विशेष रूप से उस व्यक्ति की स्वतंत्रता है जो अलग तरह से सोचता है।"
— **रोजा लक्जमबर्ग**

लोकतंत्र में बौद्धिक स्वतंत्रता का महत्व -

- **लोकतांत्रिक विमर्श की नींव:** बौद्धिक स्वतंत्रता खुली बहस, असहमति और आलोचनात्मक जाँच-पड़ताल को संभव बनाती है - जो एक कार्यशील लोकतंत्र की जीवनरेखा है। यह नागरिकों को सत्ता के प्रति जवाबदेह होने और नागरिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करती है।
- **सामाजिक प्रगति को सक्षम बनाना:** मुक्त शैक्षणिक और बौद्धिक स्थान स्वतंत्र अनुसंधान और संवाद के माध्यम से नवाचार, सांस्कृतिक उन्नति और सामाजिक समस्याओं के समाधान को बढ़ावा देते हैं।
- **विविधता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करना:** वास्तविक राष्ट्रीय सामंजस्य समावेशी संवाद से उभरता है, न कि थोपी गई अनुरूपता से। विविध आवाज़ों को सुनने से एक मज़बूत और अधिक लचीला सामाजिक ताना-बाना विकसित होता है।
- **नैतिक और वैश्विक वैधता:** बौद्धिक स्वतंत्रता को बनाए रखने वाले लोकतंत्रों को वैश्विक स्तर पर अधिक सम्मान और सौम्य शक्ति प्राप्त होती है। विश्व मंच पर नेतृत्व का लक्ष्य रखने वाले राष्ट्रों को आंतरिक खुलेपन का आदर्श प्रस्तुत करना होगा।

बौद्धिक स्वतंत्रता को कमजोर करने वाले मुद्दे -

- **असहमति का दमन:** दुनिया भर में - जिसमें फिलीस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के दौरान अमेरिकी परिसर भी शामिल हैं - शांतिपूर्ण असहमति को अक्सर प्रशासनिक या कानूनी दमन का सामना करना पड़ता है, जो लोकतांत्रिक स्थान के सिकुड़ने का संकेत देता है।
- **वैचारिक लक्ष्यों के लिए पाठ्यक्रम का पुनर्लेखन:** शैक्षिक पाठ्यक्रमों को ऐतिहासिक सटीकता या शैक्षिक अखंडता के बजाय पक्षपातपूर्ण या राष्ट्रवादी विचारधाराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए बदला जा रहा है, जिससे संस्थानों की बौद्धिक कठोरता नष्ट हो रही है।
 - **उदाहरण के लिए,** पाठ्यपुस्तकों में संशोधन करके मुगल इतिहास, जातिगत आंदोलनों और 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित अध्याय हटा दिए गए।
- **"राष्ट्र-विरोधी" जैसे शब्दों का हथियारीकरण:** आलोचनात्मक आवाज़ों - जिनमें विद्वान, लेखक और कार्यकर्ता शामिल हैं - को अक्सर "राष्ट्र-विरोधी" या "देशद्रोही" करार दिया जाता है, जिससे असहमति को अमान्य कर दिया जाता है और खुली बहस को हतोत्साहित किया जाता है।
 - **उदाहरण के लिए,** कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को यूएपीए के तहत गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा है।
- **भू-राजनीतिक विडंबना:** वैश्विक प्रभाव चाहने वाले राष्ट्र अक्सर अपने घरेलू स्तर पर असहमति को दबा देते हैं, जिससे उनकी लोकतांत्रिक आत्म-छवि और सत्तावादी प्रवृत्तियों के बीच विरोधाभास पैदा होता है - जिससे विश्वसनीयता और भरोसा दोनों कमजोर होते हैं।
- **संस्थागत दबाव और सेंसरशिप:** विश्वविद्यालयों और मीडिया संस्थानों को वित्तीय धमकी, बर्खास्तगी और कानूनी धमकी के माध्यम से अनुपालन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे आत्म-सेंसरशिप और बौद्धिक ठहराव पैदा हो रहा है।

बौद्धिक दमन के परिणाम -

- **शैक्षणिक उत्कृष्टता का क्षरण:** भय-आधारित अनुरूपता ईमानदार जांच को हतोत्साहित करती है, जिससे अनुसंधान, शिक्षा और छात्रवृत्ति में सामान्यता आती है।
- **आलोचनात्मक सोच में कमी:** असहमति को दबाने वाले समाज ऐसे नागरिकों को जन्म देते हैं जो विश्लेषण करने, प्रश्न करने और नवाचार करने में कम सक्षम होते हैं - जो आधुनिक विश्व में आवश्यक गुण हैं।
- **युवाओं और विद्वानों का अलगाव:** जो पीढ़ी विश्वविद्यालयों को स्वतंत्र विचार के बजाय वैचारिक नियंत्रण का स्थल बनती हुई देखती है, वह भ्रमित, विमुख या कट्टरपंथी हो जाती है।
- **लोकतंत्र का नैतिक पतन:** जब बुद्धि और विवेक पर नियंत्रण किया जाता है, तो लोकतंत्र अपनी नैतिक नींव खो देता है और एकता के मुखौटे में अधिनायकवाद की ओर बढ़ जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान:** विदेशों में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए स्वतंत्रता का दमन करने से पाखंड के आरोप लगते हैं, वैश्विक प्रतिष्ठा और गठबंधन कमजोर होते हैं।

आगे की राह -

- **संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करना:** यह सुनिश्चित करना कि विश्वविद्यालय, मीडिया घराने और थिंक टैंक स्वतंत्र जांच बनाए रखने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रहें।
- **मुक्त अभिव्यक्ति के लिए कानूनी सुरक्षा को बढ़ावा देना:** संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करना जो असहमति व्यक्त करने वाली आवाजों को मनमानी कार्रवाई और कानूनी उत्पीड़न से बचाते हैं।
- **लोकतांत्रिक शिक्षा को बढ़ावा देना:** ऐसे पाठ्यक्रम को प्रोत्साहित करना जो विचारधारा से प्रेरित आख्यान की तुलना में आलोचनात्मक सोच, ऐतिहासिक जागरूकता और बहुलवाद को बढ़ावा दे।
- **नागरिक संवाद को प्रोत्साहित करना:** ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दें जहां असहमति को बदनाम न किया जाए बल्कि उसे महत्व दिया जाए, जिससे वैचारिक विभाजनों के पार रचनात्मक संवाद के लिए जगह बने।
- **नेतृत्व को जवाबदेह बनाना:** नागरिक समाज, मीडिया और वैश्विक निगरानीकर्ताओं को लोकतंत्र के अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को बनाए रखने के लिए, जहां भी दमन होता है, उसका विरोध करना चाहिए।
- **वैश्विक लोकतांत्रिक एकजुटता:** लोकतंत्रों को खुले समाज को बनाए रखने में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए, तथा घरेलू और विदेशी दोनों स्तरों पर सत्तावादी प्रवृत्तियों का विरोध करना चाहिए।

स्रोत: [द हिंदू](#)

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (FTA) और वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC)

संदर्भ

यूनाइटेड किंगडम-भारत मुक्त व्यापार समझौता **GCC** में गहन सहभागिता के लिए उत्प्रेरक हो सकता है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का महत्व -

- **द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना:** FTA भारत-ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को पुनः परिभाषित करने के लिए तैयार है, जो पारंपरिक व्यापार से आगे बढ़कर सेवाओं, नवाचार और प्रतिभा विनिमय पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- **ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिए अवसर:** FTA ब्रिटेन को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल और सेवा अर्थव्यवस्थाओं में से एक - भारत - तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे सेवाओं और तकनीक में इसकी वैश्विक भूमिका को मजबूत करने में मदद मिलती है।
- **भारत के लिए आर्थिक प्रोत्साहन:** भारत के लिए, FTA से ब्रिटेन के निवेश में वृद्धि, डिजिटल कौशल लक्ष्यों के साथ संरेखण और उच्च मूल्य सेवा निर्यात का विस्तार होने का वादा किया गया है।
- **सक्षमकारी ढांचा:** दोहरे कराधान, डेटा स्थानीयकरण मुद्दों और विनियामक विसंगतियों को संबोधित करके, FTA व्यवसायों के सामने आने वाली प्रमुख बाधाओं को दूर कर सकता है।

GCC क्या हैं?

- यह बहुराष्ट्रीय निगमों (MNC) द्वारा अपने मूल संगठन के लिए विशेष कार्य करने हेतु स्थापित एक रणनीतिक चौकी/शाखा है।
- **GCC के कार्य:**
 - नवप्रवर्तन को बढ़ावा देना: नये उत्पाद या सेवाएं बनाना, तथा अनुसंधान करना।
 - प्रौद्योगिकी प्रबंधन: आईटी सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा और अन्य तकनीकी आवश्यकताओं को संभालना।
 - बैक-ऑफिस कार्यों का प्रबंधन: वे वित्त, मानव संसाधन, खरीद और ग्राहक सहायता का ध्यान रखते हैं।
 - अनुपालन सुनिश्चित करना: वे सुनिश्चित करते हैं कि कंपनी कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करती है और वैश्विक परिचालन में जोखिमों का प्रबंधन करती है।
- भारत में, **GCC नवाचार केन्द्रों और उत्कृष्टता केन्द्रों (सी.ओ.ई.)** के रूप में विकसित हो गए हैं।
- **शीर्ष गंतव्य:** बेंगलुरु, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और गिफ्ट सिटी

FTA वैश्विक क्षमता केंद्रों (GCC) के लिए उत्प्रेरक है -

- भारत में 1,500 से ज़्यादा GCC केंद्र हैं, जिनमें 19 लाख से ज़्यादा पेशेवर रोज़गार देते हैं। ये केंद्र अनुसंधान एवं विकास, साइबर सुरक्षा, विश्लेषण आदि क्षेत्रों में वैश्विक निगमों के लिए नवाचार केंद्रों के रूप में काम करते हैं।
- ब्रिटिश कंपनियां भारत को लागत में कटौती करने वाले केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि उच्च स्तरीय डिजिटल समाधानों के लिए सह-नवाचार साझेदार के रूप में देख रही हैं।
- यह समझौता पेशेवरों की सुगम आवाजाही और सुसंगत डिजिटल/डेटा प्रशासन को सुगम बना सकता है - जो ब्रिटेन स्थित फर्मों को सेवा प्रदान करने वाले **GCC** के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है।
- उचित नीतिगत समर्थन के साथ, भारतीय **GCC** वैश्विक मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकते हैं तथा अधिक ब्रिटिश सहयोग आकर्षित कर सकते हैं।

GCC के लिए सरकार का प्रयास -

- **केंद्र सरकार की पहल:**
 - **राष्ट्रीय GCC फ्रेमवर्क (बजट 2025):** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत, नैसकॉम, केपीएमजी, जिनोव और इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से, राज्यों को प्रतिभा, बुनियादी ढांचे और कानूनी सुविधा पर मार्गदर्शन देने के लिए एक फ्रेमवर्क बनाया जा रहा है।
 - **अभी तक कोई राष्ट्रीय नीति नहीं:** तीव्र जैविक विकास के बावजूद, कोई एकल राष्ट्रीय नीति नहीं है, जिससे इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या इसकी आवश्यकता है।
- **राज्य स्तरीय गति:**
 - **उत्तर प्रदेश उदाहरण:** अपने पहले **GCC** कॉन्क्लेव (टीसीएस, माइक्रोसॉफ्ट, एचसीएल, आदि के साथ) की मेजबानी की, जिसमें टियर-2 शहरों (लखनऊ, वाराणसी) को नए **GCC** गंतव्यों के रूप में प्रदर्शित किया गया।

FTA और GCC विकास का संभावित प्रभाव -

- **नवाचार एवं रोजगार को बढ़ावा:** अधिक **GCC** का अर्थ है उच्च कौशल रोजगार सृजन और अनुसंधान एवं विकास में वृद्धि, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन लक्ष्यों के साथ संरेखित है।
- **सीमा पार प्रतिभा गतिशीलता:** ब्रिटेन और भारत के बीच आसान व्यावसायिक आवागमन से दोनों बाजारों में प्रतिभा विनिमय और विविधता बढ़ सकती है।
- **ज्ञान गलियारा:** **GCC** एक मजबूत भारत-यू.के. ज्ञान अर्थव्यवस्था गलियारा बनाने में मदद कर सकता है, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।
- **निवेशक विश्वास:** वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक विवादों (जैसे, कराधान, डेटा मुद्दे) को संबोधित करने वाला एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया FTA निवेशकों को मजबूत सकारात्मक संकेत भेज सकता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

